



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2844]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 6, 2017/आश्विन 14, 1939

No. 2844]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 6, 2017/ASVINA 14, 1939

## दिल्ली विकास प्राधिकरण

(मुख्य योजना अनुभाग)

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2017

का. आ. 3249 (अ).—दिल्ली विकास प्राधिकरण /केन्द्र सरकार का दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 की धारा 11—‘क’ के अंतर्गत मुख्य योजना—2021 में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिन्हें जनता की जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो अथवा कोई सुझाव देना हो, तो वे अपनी आपत्ति /सुझाव इस सूचना के जारी होने की तिथि से तीस दिनों की अवधि के अंदर आयुक्त एवं सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, ‘बी’ ब्लॉक, विकास सदन, नई दिल्ली—110023 को लिखित रूप में भेज सकते हैं। आपत्ति करने अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति अपना नाम, पता और टेलीफोन /संपर्क नम्बर भी दें, जो पठनीय हो।

संशोधन :

क्र.सं.	दिल्ली मुख्य योजना — 2021				
	अध्याय—7.0 उद्योग				
	दि.मु.यो.—2021 में विद्यमान प्रावधान	प्रस्तावित संशोधन/आशोधन			
1.	तालिका 7.1 विभिन्न उपयोग जोनों और उपयोग परिसरों में औद्योगिक इकाइयों के लिए श्रेणी के अंतर्गत मानदण्ड				
<table border="1"> <tr> <td>औद्योगिक उपयोग</td> <td>औद्योगिक उपयोग</td> </tr> <tr> <td>उपयोग</td> <td>शर्तें</td> </tr> </table>		औद्योगिक उपयोग	औद्योगिक उपयोग	उपयोग	शर्तें
औद्योगिक उपयोग	औद्योगिक उपयोग				
उपयोग	शर्तें				

	जोन/उपयोग परिसर	श्रमिकों की अधिकतम संख्या		जोन/उपयोग परिसर	श्रमिकों की अधिकतम संख्या
	क) प्लाटीकृत विकास	आवश्यकतानुसार		क) प्लाटीकृत विकास	आवश्यकतानुसार
	ख) फ्लैटिड उद्योग	20		ख) फ्लैटिड उद्योग	आवश्यकतानुसार
2.	<b>7.6.2.1 नॉन-कन्फॉर्मिंग क्षेत्रों में औद्योगिक-केन्द्रीकरण समूहों के पुनर्विकास के लिए मानदण्ड</b>				
	क) कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्र .....			बिन्दु झ) को ज) के बाद निम्नानुसार शामिल किया जाए :	
	ख) पार्किंग और लोडिंग / अनलोडिंग क्षेत्रों .....			झ) वैकल्पिक रूप से, सोसायटी दि.मु. यो.-2021 की तालिका 7.2 में यथा अनुबंधित भूमि वितरण के आधार पर ले—आउट प्लान पुनर्विकास योजना को तैयार करने का विकल्प अपना सकती है।	
	ग) मानदंडों के अनुसार सी.ई.टी.पी., .....			ज) लगभग 3 प्रतिशत क्षेत्र को व्यावसायिक उपयोग के अंतर्गत अनुमति दी जाएगी।	
	घ) पम्पिंग स्टेशनों, स्टोरेज टैंकों, .....				
	ङ) समूह क्षेत्रफल का 8 प्रतिशत क्षेत्र .....				
	च) 100 वर्ग मी. से अधिक के प्लॉटों में .....				
	छ) 100 वर्ग मीटर से कम के प्लाटों में .....				
	ज) 60 वर्ग मी. से नीचे के प्लॉटों के लिए .....				
3.	<b>7.7 नए औद्योगिक क्षेत्र</b>				
	रा.रा.क्षे. दिल्ली में नए औद्योगिक कार्य कलापों को हाई टेक क्षेत्रों के लिए निम्नानुसार सीमित किया जाना चाहिए :—				
	i) कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री तथा कंप्यूटर हार्डवेयर स्वं सॉफ्टवेयर का उपयोग करने वाले सिस्टम इंटीग्रेशन के उद्योग।				
	ii) पैकेजिंग।				
	iii) कंप्यूटर और टेलीकॉम सुविधाओं के इन्टरफ़ेसों को एकीकृत करके संचालित करने वाले उद्योग।				
			1. सॉफ्टवेयर उद्योग		
			क) कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री तथा कंप्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर का उपयोग करने वाले सिस्टम इंटीग्रेशन के उद्योग।		
			ख) कंप्यूटर और टेलीकॉम सुविधाओं के		

	<p>iv) डाटाबेस उपलब्ध करके अथवा विश्वभर में फैले हुए डाटाबेस तक पहुंचकर उपयोगों की सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले उद्योग।</p> <p>v) सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न अथवा सभी भागों की परिष्कृत जांच हेतु सुविधाएं प्रदान करने वाले उद्योग।</p> <p>vi) इलैक्ट्रॉनिक सामान।</p> <p>vii) डी.वी. और अन्य इलैक्ट्रॉनिक मदों की सर्विस एवं सम्पत्ति।</p> <p>viii) फोटो कॉम्पोजिंग और ड्रेस्कटॉप प्रकाशन।</p> <p>ix) डी.वी. और वीडियो प्रोग्राम प्रोडक्शन।</p> <p>x) वस्त्र डिजाइनिंग और फैब्रिक एस्टिंग आदि।</p> <p>xi) बायो टेक्नोलॉजी।</p> <p>xii) डेलीकम्पूनिकेशन और स्नैबलिंग सर्विसेज।</p> <p>xiii) जेम्स और ज्वैलरी।</p>	<p>इन्टरफ़ेसों को एकीकृत करके संचालित करने वाले उद्योग।</p> <p>ग) सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स एवं मोबाइल एप्लीकेशन्स।</p> <p><b>2. सूचना प्रौद्योगिकी सेवा उद्योग</b></p> <p>क) इन्टरनेट एवं ई—मेल सेवा प्रदाता।</p> <p>घ) वर्ल्ड वाइड वेब सेवा प्रदाता ई—कॉमर्स एवं विषय—वस्तु तैयार करना।</p> <p>ग) इलैक्ट्रॉनिक डाटा इंटरचेंज (ई.डी.आई.) सेवाएं।</p> <p>घ) वीडियो कॉनफ्रेंसिंग, वी.सैट, आई.एस.डी.एन. सेवाएं।</p> <p>ड) इलैक्ट्रॉनिक डाटा सेंटर कार्यकलाप।</p> <p><b>3. आई.टी.ई.एस. उद्योग</b></p> <p>क) ग्राहक पारस्परिक—व्यवहार सेवाएं, अर्थात् कॉल/संपर्क सूत्र केन्द्र और ई—मेल हैल्प डेस्क।</p> <p>घ) बैंक ऑफिस प्रोसेसिंग।</p> <p>ग) वित्त एवं लेखाकरण (सुदूर व्यवस्था करना)।</p> <p>घ) बीमा दावे प्रक्रिया (सुदूर व्यवस्था करना)।</p> <p>ड) एच.आर. सेवाएं एवं अन्य परामर्श (सुदूर व्यवस्था करना)।</p> <p>घ) वेबसाइट तैयार करना एवं रखरखाव सेवाएं अर्थात् दूरस्थ शिक्षा।</p> <p>घ) बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग, नोलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग।</p> <p>ज) सॉफ्टवेयर एक्सटेंशन डेवलपमेंट।</p> <p>झ) इलैक्ट्रॉनिक डिजाइन एवं प्रोडक्ट डिवेलपमेंट।</p> <p>ज) इंजीनियरिंग डिजाइन एवं प्रोडक्ट डिवेलपमेंट।</p> <p>ट) डाटाबेस उपलब्ध करके अथवा विश्वभर में फैले डाटाबेस तक पहुंचकर उपयोगों की सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाले उद्योग।</p> <p>ट) सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न अथवा सभी भागों की परिष्कृत जांच हेतु सुविधाएं प्रदान करने वाले उद्योग।</p>
--	--	--

	<p>ड) टेलीकम्यूनिकेशन्स एवं इनेब्लिंग सर्विसेज।</p> <p><b>4. मीडिया</b></p> <p>क) टी.वी. एवं वीडियो प्रोग्राम प्रोडक्शन।</p> <p>ख) फोटो कम्पोजिंग एवं डेरेक्टॉप पब्लिकेशन।</p> <p>ग) पब्लिशिंग।</p> <p>घ) श्रव्य-दृश्य सेवाएं।</p> <p><b>5. बायोटेक्नोलॉजी / मेडिकल</b></p> <p>क) उन उत्पादों या प्रक्रियाओं पर अनुसंधान एवं विकास तथा उन्हें निर्मित करना जिनकी व्युत्पत्ति या उपयोग विशिष्ट सजीव तंत्रों (पौधों, पशुओं तथा सूक्ष्मजीव या उनके अंश से होती है तथा उनसे व्युत्पन्न एंजाइम/जैव उत्प्रेरक तैयार किए जाते हैं।)</p> <p>ख) जेनेटिक इंजीनियरिंग एण्ड कॉन्ट्रोल रिसर्च और विलनिकल द्रायल।</p> <p>ग) चिकित्सा उपकरणों (बिल्कुल नए) की ड्रेडिंग।</p> <p>घ) विलनिक / पेथोलॉजिकल लेबोरेट्रीज एवं स्केनिंग एम.आर.आई. टेस्ट।</p> <p>ड) स्वास्थ्य संबंधी एवं सामाजिक सेवाएं।</p> <p>च) मेडिकल ट्रांसक्रीप्शन सेवाएं।</p> <p><b>6. रिसर्च एण्ड डिवेलपमेंट और डिजाइन</b></p> <p>क) इलैक्ट्रॉनिक्स आर.एण्ड डी. डिजाइन एण्ड प्रोडेक्ट डिवेलपमेंट।</p> <p>ख) इंजीनियरिंग आर.एण्ड डी. डिजाइन एण्ड प्रोडेक्ट डिवेलपमेंट।</p> <p>ग) बायोटेक्नोलॉजी आर.एण्ड डी।</p> <p>घ) गार्मेंट्स डिजाइनिंग उद्योग, जैम्स एवं जैलरी, वेब डिजाइन आदि।</p> <p>ड) टैक्सटाइल डिजाइनिंग और फ्रेब्रिक टैस्टिंग आदि।</p> <p>च) बहु-विषयक आर.एण्ड डी. सेवाएं।</p> <p><b>7. व्यवसाय सेवाएं (सुदूर व्यवस्था)*</b></p> <p>क. विधिक सेवाएं</p> <p>ख. वित्तीय, लेखाकरण, लेखा-परीक्षण, बुक कीपिंग और कराधान सेवाएं</p>

	<p>ग. वास्तुकलात्मक और इंजीनियरिंग सेवाएं</p> <p>घ. विज्ञापन एजेंसी और प्रशिक्षण सेवाएं</p> <p>ड. बाजार अनुसंधान और सार्वजनिक विचार सेवाएं</p> <p>च. नियोजन (प्लैसमेंट) प्रबंधन, उच्च शिक्षा और परामर्श सेवाएं</p> <p>छ. इकिवटी अनुसंधान</p> <p>ज. पर्यटन और यात्रा संबंधित सेवाएं</p> <p>झ. पैरा 15.8 में यथा वर्णित व्यावसायिक सेवाएं</p> <p>अ. पर्यावरणीय सेवाएं</p> <p><b>8. शैक्षणिक सेवाएं*</b></p> <p>क. व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र (आई.टी.आई./पॉलिटेक्निक/व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान/प्रबंधन संस्थान/ए.आई.सी.टी.ई./एन.सी.टी.ई. मानदंडों के अनुसार ए.आई.सी.टी.ई./एन.सी.टी.ई. के मान्यताप्राप्त पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान) (उक्त शैक्षणिक गतिविधियों को अंडर ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम के स्तर तक की ही अनुमति दी जाएगी।)</p> <p><b>9. अन्य *</b></p> <p>क. पैकेजिंग</p> <p>ख. इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, ऊर्जा (विद्युत) वितरण सेवाएं</p> <p>ग. टी.वी. और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की सर्विस और मरम्मत</p> <p>घ. परिवहन सेवाएं, मालगोदाम, गोदाम और शीत भंडारण सेवाएं</p> <p>ड. प्रशिक्षण और उष्मायित्र (इनक्यू) केंद्र</p> <p>च. स्वच्छता सेवाएं (सेप्टिक टैंक साफ करने वाले को किराए पर लेना)</p>
	<p><b>नोट:</b></p> <p>1.* ऐसी गली या सड़क के उस भाग जिस पर क्रम संख्या 7 से 9 तक वर्णित गतिविधियां अनुमेय हैं, पर न्यूनतम मार्गाधिकार निम्न प्रकार से है :-</p> <p>i. 1000 वर्ग मीटर तक के प्लॉट-12 मीटर मार्गाधिकार</p> <p>ii. 1000 वर्ग मीटर से अधिक के प्लॉट-18 मीटर मार्गाधिकार</p> <p>2. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के</p>

			उद्योग विभाग के परामर्श से डी.एस.आई.आई.डी.सी. द्वारा भेजी गई उक्त सूची में परिवर्द्धन/परिवर्तन हेतु कोई अनुशंसा यदि केंद्रीय सरकार द्वारा सार्वजनिक हित में तथा उचित समझी जाती है, तो इस अनुशंसा को भी शामिल किया जाएगा ।					
4	तालिका 7.2 औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि वितरण के लिए मानदंड							
	कोई प्रावधान नहीं है (तालिका 7.2 अनुलग्नक-III के रूप में संलग्न है)							
	निम्नलिखित टिप्पणी को तालिका 7.2 के नीचे जोड़ा जाएगा: <b>नोट:</b> **औद्योगिक प्लॉट (निवल क्षेत्रफल) में – न्यूनतम 18 मीटर मार्गाधिकार वाले प्लॉटों पर जहां संभव हो, थोक, मालगोदाम और शीत भंडारण उपयोग परिसरों को ऐसे विद्यमान/नये औद्योगिक क्षेत्रों में अधिकतम 10% की दर से अनुमति दी जाएगी ।							
	तालिका 7.3: विकास नियंत्रण मानक							
5.	उपयोग परिसर	अधिकतम		उपयोग परिसर	अधिकतम			
	तल कवरेज (प्रतिशत)	एफ.ए.आर.	ऊँचाई (मी.)	तल कवरेज (प्रतिशत)	एफ.ए.आर.	ऊँचाई (मी.)		
	औद्योगिक प्लॉट	100	200	8	औद्योगिक प्लॉट	100	200	8
	i. 50 वर्ग मी. और उससे कम				वर्ग मी. और उससे कम			
	ii. 51 वर्ग मी. से 400 वर्ग मी. तक	60	180	15	ii. 51 वर्ग मी. से 400 वर्ग मी. तक	60	200	15
	iii. 401 वर्ग मी. और अधिक	50	150	15	iii. क. 401 वर्ग मी. और अधिक तथा 2000 वर्ग मी. तक	50	200	एन.आर.*
					ख. 2000 वर्ग मी. और अधिक	40	225	एन.आर.*
					टिप्पणी:			
					* भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण/अग्निशमन विभाग और अन्य सांविधिक निकायों से क्लीयरेंस मिलने की शर्त पर ।			

6.	उपयोग परिसर	अधिकतम			उपयोग परिसर	अधिकतम		
		तल कवरेज (प्रतिशत)	एफ.ए. आर.	ज़ॉचाई (मी.)		तल कवरेज (प्रतिशत)	एफ.ए. आर.	ज़ॉचाई (मी.)
	फ्लैटिड समूह उद्योग (न्यूनतम प्लॉट आकार—400 वर्ग मी.)	30	150	26	i. फ्लैटिड समूह उद्योग (न्यूनतम प्लॉट आकार—400 वर्ग मी. से 2000 वर्ग मी. तक)	30	150	26
					ii. फ्लैटिड समूह उद्योग (न्यूनतम प्लॉट आकार—2000 वर्ग मी. किंतु 20,000 वर्ग मी. से कम)	30	225	एन. आर.*
					iii. फ्लैटिड समूह उद्योग—20,000 वर्ग मी. और इससे अधिक	30	300	एन. आर.*
	टिप्पणी:							
	* भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण/अग्निशमन विभाग और अन्य सांविधिक निकायों से क्लीयरेंस मिलने की शर्त पर।							
	तालिका 7.3: विकास नियंत्रण मानकों के नीचे प्रस्तुत टिप्पणियाँ							
7.	vii. औद्योगिक प्लॉट जो 24 मी. और उससे ऊपर के मार्गाधिकार (आर.ओ.डब्ल्यू) वाली सड़कों से सम्बद्ध हैं, वे मौजूदा विकास नियंत्रण मानकों के अंतर्गत अस्पतालों (100 बिस्तरों तक) में परिवर्तन के लिए पात्र होंगे, बशर्ते कि एक प्लॉट पर (क) किसी प्लॉट पर बिस्तरों की संख्या कुल तल क्षेत्रफल के 80 वर्ग मीटर पर प्रति बिस्तर की दर से निकाली जाएगी और (ख) सरकार द्वारा समय—समय पर यथा निर्धारित परिवर्तन	vii. औद्योगिक प्लॉट जो 24 मी. और उससे ऊपर के मार्गाधिकार (आर.ओ.डब्ल्यू) वाली सड़कों से सम्बद्ध हैं, वे मौजूदा विकास नियंत्रण मानकों के अंतर्गत अस्पताल/ तृतीयक स्वास्थ्य रक्षा केंद्र में परिवर्तन के लिए पात्र होंगे, बशर्ते कि एक प्लॉट पर (क) किसी प्लॉट पर बिस्तरों की संख्या कुल तल क्षेत्रफल के 80 वर्ग मीटर पर प्रति बिस्तर की दर से निकाली जाएगी और (ख) सरकार द्वारा समय—समय पर						

	<p>प्रभारों का भुगतान निर्धारित किया जाएगा । ऐसे प्लॉटों में, <b>अस्पताल</b> (तालिका 13.20) में अनुमेय कार्यकलापों की अनुमति होगी । तथापि, इसकी अनुमति, असंगत/नियमित किए गए औद्योगिक समूहों (वलस्टरों) में नहीं दी जाएगी । उपर्युक्त प्रावाधान किसी भी प्रकार से उच्चतम न्यायालय के आदेशों को प्रभावित नहीं करेगा ।</p>	<p>यथा निर्धारित परिवर्तन प्रभारों का भुगतान निर्धारित किया जाएगा । ऐसे प्लॉटों में, <b>अस्पताल/तृतीयक स्वास्थ्य रक्षा केंद्र</b> (तालिका 13.20) में अनुमेय कार्यकलापों की अनुमति होगी । तथापि, इसकी अनुमति, असंगत/नियमित किए गए औद्योगिक समूहों (वलस्टरों) में नहीं दी जाएगी । उपर्युक्त प्रावाधान किसी भी प्रकार से उच्चतम न्यायालय के आदेशों को प्रभावित नहीं करेगा ।</p>
8.	<p>xi. अलग—अलग औद्योगिक प्लॉट पर पुनर्विकास/ पुनर्निर्माण की अनुमति देने के दौरान, विकास नियंत्रण मानकों अर्थात् संबंधित उपयोग परिसर के तल कवरेज, एफ.ए.आर. आदि का अनुपालन किया जाएगा और यहां ऊँचाई पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं होगा । <b>ऊँचाई भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण / अग्निशमन विभाग की आवश्यकताओं के अनुसार होनी चाहिए ।</b> अनुमेय एफ.ए.आर को पूरा करने के लिए, मौजूदा भवन में अनुमेय श्रेणी के अंदर परिवर्धन, परिवर्तन अथवा उपयोग में परिवर्तन के मामले में यदि भवन के आस—पास पार्किंग आवश्यकता अथवा पर्याप्त खुला स्थान उपलब्ध है तो पहले से संस्थीकृति तल कवरेज जारी रहेगी ।</p>	<p>xi. अलग—अलग औद्योगिक प्लॉट पर पुनर्विकास/ पुनर्निर्माण की अनुमति देने के दौरान, विकास नियंत्रण मानकों अर्थात् संबंधित उपयोग परिसर के तल कवरेज, एफ.ए.आर. आदि का अनुपालन किया जाएगा और यहां ऊँचाई पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं होगा । <b>ऊँचाई भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, अग्निशमन सेवा और सांविधिक निकायों से क्लीयरेंस प्राप्त करने की शर्त पर होगी ।</b> अनुमेय एफ.ए.आर को पूरा करने के लिए, मौजूदा भवन में अनुमेय श्रेणी के अंदर परिवर्धन, परिवर्तन अथवा उपयोग में परिवर्तन के मामले में यदि भवन के आस—पास पार्किंग आवश्यकता अथवा पर्याप्त खुला स्थान उपलब्ध है तो पहले से संस्थीकृति तल कवरेज जारी रहेगी ।</p>

2. प्रस्तावित संशोधनों को दर्शाने वाला दि.मु.यो.—2021 का पाठ निरीक्षण के लिए उपर्युक्त अवधि के दौरान सभी कार्य—दिवसों में उप निदेशक, मुख्य योजना अनुभाग, छठा तल, विकास मीनार, आई.पी.एस्टेट, नई दिल्ली—110002 में उपलब्ध रहेगा । प्रस्तावित संशोधनों को दर्शाने वाला पाठ दि.वि.प्रा. की वेबसाइट [www.dda.org.in](http://www.dda.org.in) पर भी उपलब्ध है ।

[फा. सं. एफ. 17(5)2007 / एम.पी.]

डी. सरकार, आयुक्त एवं सचिव

### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(MASTER PLAN SECTION)

### PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 6<sup>th</sup> October, 2017

**S.O. 3249 (E).**—The following modifications which the Delhi Development Authority/Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi-2021, under Section-11(A) of Delhi Development Act, 1957, are hereby published for public information. Any person having any objections/suggestions with respect to the proposed modifications may send the objections/suggestions in writing to the Commissioner-cum-Secretary, Delhi Development

Authority, 'B' Block, Vikas Sadan, New Delhi-110023, within a period of **thirty days** from the date of issue of this Notice. The person making the objections or suggestions should also give his/her name, address and telephone/contact number(s) which should be readable.

**Modifications:**

S.No.	MPD-2021																	
	CHAPTER-7.0 INDUSTRY																	
	Existing Provision in MPD-2021	Proposed Amendments/Modifications																
1.	<b>Table 7.1 Parameters for Industrial Units in Different Use Zones and Use Premises under category</b>																	
	<table border="1"> <thead> <tr> <th colspan="2">Industrial Use</th> </tr> <tr> <th>Use Zone / Use Premises</th> <th>Conditions Max. no. of workers</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>a) Plotted development</td> <td>As per need</td> </tr> <tr> <td>b) Flatted Industries</td> <td><b>20</b></td> </tr> </tbody> </table>	Industrial Use		Use Zone / Use Premises	Conditions Max. no. of workers	a) Plotted development	As per need	b) Flatted Industries	<b>20</b>	<table border="1"> <thead> <tr> <th colspan="2">Industrial Use</th> </tr> <tr> <th>Use Zone / Use Premises</th> <th>Conditions Max. no. of workers</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>a) Plotted development</td> <td>As per need</td> </tr> <tr> <td>b) Flatted Industries</td> <td><b>As per need</b></td> </tr> </tbody> </table>	Industrial Use		Use Zone / Use Premises	Conditions Max. no. of workers	a) Plotted development	As per need	b) Flatted Industries	<b>As per need</b>
Industrial Use																		
Use Zone / Use Premises	Conditions Max. no. of workers																	
a) Plotted development	As per need																	
b) Flatted Industries	<b>20</b>																	
Industrial Use																		
Use Zone / Use Premises	Conditions Max. no. of workers																	
a) Plotted development	As per need																	
b) Flatted Industries	<b>As per need</b>																	
2.	<b>7.6.2.1 Norms for Redevelopment of Clusters of Industrial Concentrations in Non – Conforming areas</b>																	
	<ul style="list-style-type: none"> <li>a) About 10% area is to be reserved ...</li> <li>b) About 10% of semi- permeable surface ...</li> <li>c) About 10% of total area to be reserved ...</li> <li>d) Preparation of: ...</li> <li>e) 8% of the cluster area...</li> <li>f) Plots measuring more ...</li> <li>g) Plots measuring less ...</li> <li>h) Common Parking to be provided ...</li> </ul>	<p><i>Point i) to be added after h) as follows:</i></p> <p><i>i) Alternatively, the society may adopt the option of preparation of layout plan / Redevelopment scheme based on the land distribution as stipulated in Table 7.2 of the MPD 2021.</i></p> <p><i>(j) About 3% area shall be permitted under commercial use.</i></p>																
3.	<b>7.7 NEW INDUSTRIAL AREAS</b>																	
	<p>New industrial activity in the NCT of Delhi should be restricted to hi-tech areas as given below:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>i. Computer hardware and software industry and industries doing system integration using computer hardware and software.</li> <li>ii. Packaging</li> <li>iii. Industries integrating and manipulating the interfaces of the computers and telecom facilities.</li> <li>iv. Industries catering to the information needs of uses by providing databases or access to databases spread throughout the globe.</li> <li>v. Industries providing the facilities for sophisticated testing of different or all components of the information technology.</li> <li>vi. Electronic goods.</li> <li>vii. Service and repair of TV and other electronic items.</li> </ul>	<p>New industrial activity in the NCT of Delhi should be restricted to hi-tech areas <b>and service based industries</b>. <b>These activities shall be permissible in existing industrial areas subject to the payment of infrastructure upgradation charges to be decided and re-covered by DSIIDC</b> as given below:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li><b>1. Software Industry</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>a. Computer hardware and software industry and industries doing system integration using computer hardware and software.</li> <li>b. Industries integrating and manipulating the interfaces of the computers and telecom facilities.</li> <li>c. Software products and Mobile Applications</li> </ol> </li> <li><b>2. IT Service Industry</b> <ol style="list-style-type: none"> <li>a. Internet &amp; Email Services Provider</li> <li>b. World wide Web Services Provider E-commerce &amp; content development.</li> <li>c. Electronic Data Interchange (EDI) Services</li> <li>d. Video conferencing, V SAT, ISDN services</li> <li>e. Electronic Data Centre activities</li> </ol> </li> </ol>																

<p>viii. Photo composing and desktop publication.</p> <p>ix. TV and video programme production.</p> <p>x. Textile designing and fabric testing, etc.</p> <p>xi. Biotechnology.</p> <p>xii. Telecommunications and enabling services.</p> <p>xiii. —Gems and jewellery.</p>	<p><b>3. ITES Industry</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a. Customer interaction services, e.g, call/ contact centres and email help desks</li> <li>b. Back office processing</li> <li>c. Finance and accounting (provided remotely)</li> <li>d. Insurance claims processing (provided remotely)</li> <li>e. HR services &amp; Other Consulting (provided remotely)</li> <li>f. Web site development and maintenance services</li> <li>g. Remote education</li> <li>g. Business Process Outsourcing, Knowledge Process Outsourcing</li> <li>h. Software Extension development</li> <li>i. Electronic Design &amp; Product Development</li> <li>j. Engineering Design &amp; Product Development</li> <li>k. Industries catering to the information needs of users by providing databases or access to databases spread throughout the globe.</li> <li>l. Industries providing the facilities for sophisticated testing of different or all components of the information technology.</li> <li>m. Telecommunications and enabling services.</li> </ul> <p><b>4. Media</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a. TV and video programme production.</li> <li>b. Photo composing and desktop publication.</li> <li>c. Publishing</li> <li>d. Audiovisual services</li> </ul> <p><b>5. Biotechnology/ Medical</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a. R&amp;D and manufacture of products or processes, which use or are derived by using specific living systems (plants, animals and microbes or parts thereof) and or enzymes/ biocatalysts derived there from</li> <li>b. Genetic Engineering &amp; Contract Research &amp; Clinical Trials</li> <li>c. Trading in Medical Instruments (brand new)</li> <li>d. Clinic/ Pathological Laboratories and scanning MRI Tests</li> <li>e. Health Related and Social Services</li> <li>f. Medical Transcription Services</li> </ul> <p><b>6. Research &amp; Development and Design</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a. Electronics R&amp;D-Design &amp; Product Development</li> <li>b. Engineering R&amp;D- Design &amp; Product Development</li> <li>c. Biotechnology R&amp;D</li> <li>d. Design Garments Industry, Gems &amp; Jewellery, Web Design etc</li> <li>e. Textile designing and fabric testing, etc.</li> <li>f. Inter-Disciplinary R&amp;D Services</li> </ul> <p><b>7. Business Services (Provided Remotely)*</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>a. Legal Services</li> <li>b. Financial, Accounting, auditing, book keeping and Taxation services</li> <li>c. Architectural &amp; Engineering Services</li> <li>d. Advertising Agency and Training Services</li> <li>e. Market Research and public opinion services</li> <li>f. Placement, Management, Higher Education and Consulting Services</li> </ul>
--	---

		<p>g. Equity Research h. Tourism and Travel related Services i. Professional Services as mentioned in para 15.8 j. Environmental Services</p> <p><b>8. Educational Services*</b></p> <p>a. Vocational Training Centre (ITI / Polytechnic / Vocational Training Institute / Management Institute / Teacher Training Institute for the AICTE / NCTE approved courses as per AICTE / NCTE Norms. (The above educational activities shall be allowed maximum upto the level of under graduate diploma courses.)</p> <p><b>9. Others*</b></p> <p>a. Packaging b. Electronic goods, Power (Electrical) Distribution services c. Service and repair of TV and other electronic items. d. Transport services, Warehouse, Godown and Cold Storage services e. Training-cum-Incubator Centre f. Sanitation Services (Hiring of Septic Tank Cleaner)</p> <p><b>Note:</b></p> <p>1. * The minimum ROW of a street or stretch of road on which the activities mentioned in Sl. No. 7 to 9 are permissible is as follows:</p> <p>i. Plots upto 1000 sqm- 12 m ROW ii. Plots above 1000 sqm- 18 m ROW</p> <p>2. Any recommendation for additions/ alterations to the above list forwarded by DSIIIDC in consultation with Industries department of GNCTD shall be incorporated, if considered appropriate and in public interest by the Central Government.</p>
4	<b>Table 7.2: Norms for Land Distribution in Industrial Areas</b>	

	No provision (Table 7.2 enclosed as <b>Annexure III</b> )	The following note to be added under Table 7.2:  <b>Note:</b> <i>**In industrial plot (net area) - Wholesale, Warehousing and Cold Storage Use premises shall be allowed in the existing / new industrial areas @10% maximum, wherever possible on plots abutting minimum 18m ROW.</i>
--	---	---

5.	Use Premises	Maximum			Use Premises	Maximum		
		Gr.Cov (%)	FAR	Ht (m)		Gr.Cov (%)	FAR	Ht (m)
	Industrial Plot i. 50 sqm. and below ii. 51 sqm to 400 sqm.	100 60	200 180	8 15	Industrial Plot i. 50 sqm. and below ii. 51 sqm to 400 sqm.	100 60	200 200	8 15

	<table border="1"> <tr> <td>iii. 401 sqm and above</td><td>50</td><td>150</td><td>15</td></tr> </table>	iii. 401 sqm and above	50	150	15	<table border="1"> <tr> <td><b>iii. a. 401 sqm and above <i>and upto 2000 sq.m</i></b></td><td><b>50</b></td><td><b>200</b></td><td><b>NR*</b></td></tr> <tr> <td><b>b. 2000 sqm and above</b></td><td><b>40</b></td><td><b>225</b></td><td><b>NR*</b></td></tr> </table>	<b>iii. a. 401 sqm and above <i>and upto 2000 sq.m</i></b>	<b>50</b>	<b>200</b>	<b>NR*</b>	<b>b. 2000 sqm and above</b>	<b>40</b>	<b>225</b>	<b>NR*</b>	<p><b>Note:</b></p> <p>* <i>Subject to clearance from AAI / Fire Department and other statutory bodies.</i></p>																		
iii. 401 sqm and above	50	150	15																														
<b>iii. a. 401 sqm and above <i>and upto 2000 sq.m</i></b>	<b>50</b>	<b>200</b>	<b>NR*</b>																														
<b>b. 2000 sqm and above</b>	<b>40</b>	<b>225</b>	<b>NR*</b>																														
6.	<table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Use Premises</th> <th colspan="3">Maximum</th> </tr> <tr> <th>Gr.Co v (%)</th> <th>FAR</th> <th>Ht (m)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm.)</td><td>30</td><td>150</td><td>26</td></tr> </tbody> </table>	Use Premises	Maximum			Gr.Co v (%)	FAR	Ht (m)	Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm.)	30	150	26	<table border="1"> <thead> <tr> <th rowspan="2">Use Premises</th> <th colspan="3">Maximum</th> </tr> <tr> <th>Gr.Co v (%)</th> <th>FAR</th> <th>Ht (m)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>i. Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm <i>to 2000 sqm.</i>)</td><td>30</td><td>150</td><td>26</td></tr> <tr> <td>ii. Flatted group Industry (Minimum plot size – 2000 sqm <i>but less than 20,000 sq.m.</i>)</td><td>30</td><td>225</td><td>NR*</td></tr> <tr> <td>iii. Flatted group Industry- 20,000 sq.m and above</td><td></td><td>300</td><td>NR*</td></tr> </tbody> </table>	Use Premises	Maximum			Gr.Co v (%)	FAR	Ht (m)	i. Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm <i>to 2000 sqm.</i> )	30	150	26	ii. Flatted group Industry (Minimum plot size – 2000 sqm <i>but less than 20,000 sq.m.</i> )	30	225	NR*	iii. Flatted group Industry- 20,000 sq.m and above		300	NR*	<p><b>Note:</b></p> <p>* <i>Subject to clearance from AAI / Fire Department and other statutory bodies.</i></p>
Use Premises	Maximum																																
	Gr.Co v (%)	FAR	Ht (m)																														
Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm.)	30	150	26																														
Use Premises	Maximum																																
	Gr.Co v (%)	FAR	Ht (m)																														
i. Flatted group Industry (Minimum plot size – 400 sqm <i>to 2000 sqm.</i> )	30	150	26																														
ii. Flatted group Industry (Minimum plot size – 2000 sqm <i>but less than 20,000 sq.m.</i> )	30	225	NR*																														
iii. Flatted group Industry- 20,000 sq.m and above		300	NR*																														
	<b>Notes under Table 7.3: Development Control Norms</b>																																
7.	vii. Industrial plots abutting roads of 24m ROW and above shall be eligible for conversion to <b>Hospitals (up to 100 beds)</b> within the existing development control norms, subject to the conditions (a) the number of beds to be accommodated on a plot shall be worked out @ 80 sqm of gross floor area per bed and (b) payment of conversion charges as prescribed by the government from time to time. The activities permissible in <b>Hospital</b> (Table 13.20) shall be permitted in such plots. However, this shall not be permitted on non-conforming / regularized industrial cluster. The above provision shall not affect the Supreme Court orders in any manner.	vii. Industrial plots abutting roads of 24m ROW and above shall be eligible for conversion to <b>Hospital / Tertiary Health Care Centre</b> within the existing development control norms, subject to the conditions (a) the number of beds to be accommodated on a plot shall be worked out @ 80 sqm of gross floor area per bed and (b) payment of conversion charges as prescribed by the government from time to time. The activities permissible in <b>Hospital / Tertiary Health Care Centre</b> (Table 13.20) shall be permitted in such plots. However, this shall not be permitted on non-conforming / regularized industrial cluster. The above provision shall not affect the Supreme Court orders in any manner.																															
8.	xi. The development control norms i.e. Ground Coverage, FAR etc. of respective use premises while allowing redevelopment/ reconstruction on the individual industrial plots shall be adhered to and there shall be no height restriction. <b>The height shall be as per requirement of AAI/ Fire Department.</b> In case of addition, alteration or change of use within permissible category in existing building to achieve permissible FAR, already sanctioned ground coverage shall continue, if parking requirement or sufficient open space around building is made available.	xi. The development control norms i.e. Ground Coverage, FAR etc. of respective use premises while allowing redevelopment/ reconstruction on the individual industrial plots shall be adhered to and there shall be no height restriction. <b>The height permitted shall be subject to clearance from AAI, Delhi Fire Services and other statutory bodies.</b> In case of addition, alteration or change of use within permissible category in existing building to achieve permissible FAR, already sanctioned ground coverage shall continue, if parking requirement or sufficient open space around building is made available.																															

2. The text of MPD-2021 indicating the proposed modifications shall be available for inspection at the Office of the Dy. Director, Master Plan Section, 6<sup>th</sup> Floor, Vikas Minar, IP Estate, New Delhi-110002, on all working days within the period referred above. The text indicating the proposed modifications is also available on DDA's website i.e. [www.dda.org.in](http://www.dda.org.in).

[F. No. F. 17(5)/2007/MP]

D. SARKAR, Commissioner-cum-Secy.